बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – १९ जून, २००५)

(समय : दोपहर १२:०० से १:३०) | **सत्संग परिचय - २** | **कुल प्राप्तांक : ७५**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम आवृत्ति, मार्च १९९९

प्रश्न.१. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''सहजानंद स्वामी स्वयं साक्षात् पूर्ण पुरुषोत्तम के अवतार है ।'' ४९
२. ''इस समय तो मेरे ईष्टदेव स्वामिनारायण ऐसे भगवान हैं ।'' ११
३. ''साधु तो हमारे पिता है ।'' ४०

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(तीन से चार पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. महाराज ने गलुजी को वडथल बुलवाया । ८
२. मूर्तिपूजा मुमुक्षुओं के लिए मुक्ति का द्वार है । १३

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं भी एक विषय के बारे में मुद्दासर विवरण लिखिए ।(१२ पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. नाजा जोगिया की महाराज ने रक्षा की । १९
२. आध्यात्मिक विवेक । १
३. मित्रभाव । १५

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. कौन-से पांच भेद यथार्थ रूप में समझना अनिवार्य है ? ९५
२. समुद्र समाधि में गोरधनभाई ने क्या देखा ? १०२
३. शब्द किसके प्राण हर लेते हैं ? ९०
४. मुक्तानंद स्वामी को धरमपुर भेजते समय महाराज ने क्या कहा ? ८१
५. ज्ञान का और अखंड मूर्ति के दर्शन का क्या फल है ? ९४

प्रश्न.५. नीचे दी गई 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । **(५ गुण)**

जैसे गाय..... ८८

अथवा

नीचे दिए हुए 'वचनामृत' का विवरण लिखिए ।

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - १६ ५४

प्रश्न.६. निम्न कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्णता पूर्ण कीजिए । **(८ गुण)**

१. अक्षर पर आनन्दघन ..... होत जन निष्काम । ७२
२. निजतत्त्व ..... भजे सदा । ३४
३. क्रोधात् भवति ..... नाशात्प्रणश्यति । ९८
४. हे हरि हरि प्रभु ..... तेना छो हरनार । ७

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम आवृत्ति, नवम्बर १९९८

प्रश्न.७. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(४ गुण)**

१. ''यह तो भगवान स्वामिनारायण ने सिर पर हाथ फेरा है, मैने नहीं ।'' ४९
२. ''वन का यह छोटा सा मृग कहाँ से आया ?'' ६

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(तीन से चार पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. नडियाद में भगतजी ने बारोट हरभिक्त को उलाहना दी । ३८
२. स्वामी की आज्ञा मिलते ही प्रागजी भक्त गिरनार को बुलाने दौडे । १३

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १९ जून, २००५. परीक्षा- सत्संग परिचय - २. माध्यम- हिन्दी. समय - दोपहर १२:०० से १:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.९. निम्न में से किन्हीं भी एक विषय के बारे में मुद्दासर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा । ३३
२. गूदड़ी में लाल । १९
३. सत्संग में कुसंग । २९

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. सच्चे गुरु क्या करते हैं ? ६०
२. विज्ञानानंद स्वामी ने किस बात की पृष्टि की ? ३७
३. विज्ञानदासजी का अक्षरवास कहाँ हुआ था ? ५२
४. महुआ के कुछ प्रतिष्ठित हरिभक्तों ने आचार्य महाराज से कौन-सा प्रश्न पूछा ? ३२
५. रंगाचार्य को भगतजी के दर्शन सर्वप्रथम कब और कहाँ हुए थे ? ४५

प्रश्न.११. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । **(६ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जायेगा ।

१. भादरोड में भगतजी महाराज ने सबको दुर्लभ आनंद दिया । ४३
(अ) प्रात: काल में उठाकर सबको कथा में बिठाते थे ।
(ब) महाराज की मूर्ति में अखंडवृत्ति रखने हेतु योगविधि करवाते ।
(क) संतों को तीन दिन उपवास और एक दिन भोजन ऐसा कड़ा व्रत शुरू करवाया ।
(ड) उपवास के दिन संतों को छाश मागने महुआ भेजते ।

२. प्रागजी भगत ने कमा सेठ को स्वामी की महिमा का वर्णन किया । २६
(अ) कमा सेठने प्रागजी भगत को लात मारी ।
(ब) रात को महाराज ने कमा सेठ को दर्शन दिए ।
(क) स्वामीने स्वप्न में कमा सेठ को प्रागजी भगत से माफी मागने को कहा ।
(ड) कमा सेठने प्रागजी भगत को प्रणाम करके वस्त्र अर्पण किया ।

३. भगतजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी की महिमा किसे किसे बताई । २५-२६
(अ) त्रिकमदास (ब) शुकानंद स्वामी
(क) वाघा खाचर (ड) यज्ञपुरुषदासजी

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही है या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. विज्ञानदासजी को विचार आया कि जहाँ अपने गुरु भगतजी का अपमान हुआ था, वहाँ उनका भव्य स्वागत होना चाहिए । ५५
२. अहमदाबाद मंदिर के महंत से बात करके स्वामी प्रागजी भक्त को भोजन भेजते थे । ३३
३. भगतजी के बड़े भाई विठ्ठलभाई को काले नागने काट लिया । ६३
४. त्यागी होकर भी जो ब्रह्मचर्यव्रत का पालन न करे उसे धिक्कार है । ४८

विभाग-३ : ''सत्संग प्रवेश'' परीक्षा पुस्तक पर आधारित

प्रश्न.१३. निम्न विषय के बारे में विस्तृत नोंध लिखिए। (किन्हीं तीन) **(१५ गुण)**

१. बोचासण में नीलकंठ । (नीलकंठ चरित्र)(६८) **अथवा** १. धर्म का उपदेश । (नीलकंठ चरित्र) (४०) **अथवा** १. नरसिंह मेहता को दर्शन । (नीलकंठ चरित्र) (८१)

२. खैया खत्री नामक प्रखर वेदांती के साथ शास्त्रचर्चा । (स.वा.भा.१)(६) **अथवा** २. आत्मानन्द स्वामी । (कि.स.प्र.) (२९)

२. विषम स्थिति में भी आशाभाई की सेवा । (स.वा.भा.१) (६२) **अथवा** २. दुबली भट्ट । (कि.स.प्र)(३८)

३. अक्षरपुरुषोत्तम की माधुफरी । (शा.म.) (८१) **अथवा** ३. गुणातीत के लिए तो माथा मुंडवाया है । (शा.म.) (७२) **अथवा** ३. संन्तों की प्रेरणा । (शा.म.) (४०)

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और प्रश्न. १३ में से तीन विस्तृत नोंध दिनांक १७ जुलाई, २००५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।